

## तेरी कृपा भव से तारती

तेरी कृपा सबको भव से तारती, शरण मिली राघव की गाऊं आरती!  
कोरस- तेरी कृपा सबको भव से तारती, शरण मिली राघव की गाऊं आरती!!

1. दया करो कृपा करो, भक्ति दो भगवन!  
टुटते विश्वास को शक्ति दो भगवन!  
डोर ये मेरी, तेरे हाथ है!  
कोरस- डोर ये मेरी, तेरे हाथ है!  
जिंदगी सदा ही तेरी शरण चाहती!!

कोरस- तेरी कृपा सबको भव से तारती, शरण मिली राघव की गाऊं आरती!!

2. रामचरित मानस वो ग्रंथ है भगवन!  
सुना जिसने जीवन को, कर लिया पावन!  
सुन लेते आप, सबके मन की बात!  
कोरस- सुन लेते आप, सबके मन की बात!  
आस मेरी भगवन तुम्हे पुकारती!!

कोरस- तेरी कृपा सबको भव से तारती, शरण मिली राघव की गाऊं आरती!!

3. मांगू नहीं कुछ भी मैं तुमसे भगवन!  
तुम जो मेरे संग हो सफल है जनम!  
सिर पे धरो आप, करुणा भरा हाथ!  
कोरस- सिर पे धरो आप, करुणा भरा हाथ!  
ये अखियां मेरी तुम्हें निहारती!!

कोरस- तेरी कृपा सबको भव से तारती, शरण मिली राघव की गाऊं आरती!!

4. महादेव राम जपे, संत रटे नाम!  
बजरंग भी भक्ति में झूमे सुबह शाम!  
नागर के साथ, भक्त कहे आज!  
कोरस- नागर के साथ, भक्त कहे आज!  
कृपा रामजी की दुखो को टालती!!

कोरस- तेरी कृपा सबको भव से तारती, शरण मिली राघव की गाऊं आरती!  
शरण मिली राघव की गाऊं आरती!!

लेखक, गायक- पंडित मनोज नागर  
9893377018

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/34470/title/teri-kripa-bhav-se-tarti>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |